GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
DIRECTORATE OF EDUCATION: SCHOOL BRANCH
OLD SECRETARIAT: DELHI — 110054

No. DE.23 (20)/SchBr/HC/2021/ 190-194 **Dated:** 29/07/2021

CIRCULAR

Subject- National Deworming Campaign August 2021

National Deworming Campaign is scheduled to be held from **02 August 2021 to 07 August 2021** under the guidance of Directorate of Family Welfare, GNCTD. The campaign involves administration of a single age appropriate dose of Albendazole to all children and adolescents in the **age group of 1-19 years**. This year due to COVID-19 Pandemic and subsequent closure of schools, the campaign is being held through a community based approach.

The schools of DoE are closed to curtail the prevalence of COVID-19 pandemic, and the classes are being conducted in virtual mode. To ensure the above, all Head of schools of Govt./Govt. Aided and Private Unaided Recognized Schools under Directorate of Education, GNCTD are directed to extend necessary support to the campaign which is scheduled to be held from 02 August 2021 to 07 August 2021. As a part of the Campaign, age appropriate dose of Albendazole will be administered to all eligible children and adolescents through **home visits by a team of Anganwadi Worker and ASHA**. Also, Awareness generation messages regarding WIFS and National Deworming campaign will be disseminated among parents through Whatsapp groups by all Head of schools/Teachers of Govt./Govt. Aided and Private Unaided Recognized Schools under Directorate of Education, GNCTD.

Further, to ascertain successful National Deworming Campaign, HoS/ Teachers will disseminate the standardized information shared by Health & Family Welfare Department (Annexure 'A' and 'B') through virtual classrooms/Whatsapp requesting the SMC members, parents and students so that the children are administered the deworming drug during the said campaign.

DDE (School)

Encl- Annexure 'A' and 'B'

To All Head of Schools of Govt./Govt. Aided and Private Unaided Recognized Schools under Directorate of Education, GNCTD through Del-E

No. DE.23 (20)/SchBr/HC/2021/ 190-194

Dated: 29/07/2021

Copy to:-

1. PS to Director Education.
2. All DDEs (District and Zones).
3. Head of Schools of DoE
4. ADE (IT) to upload the circular on MIS.
5. Guard file.

Chaudhary

Nodal Officer

(School Health Programme)

ANNEXURE 'A'

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान

2 से 7 अगस्त, 2021

ध्यान दें:

1

1–2 साल
आधी गोली
एल्बेंडाजोल 200 mg

2–3 साल
पूरी गोली
एल्बेंडाजोल 400 mg

(पानी में पूरी तरह घोलकर दें)

3–19 साल
पूरी गोली
एल्बेंडाजोल 400 mg

2

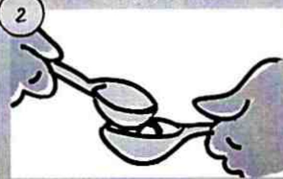

1–3 साल के बच्चों के लिए गोली को पूरी तरह चूरा करके, पीने के पानी में मिलाकर पिलाएं।

3

3–19 साल के बच्चों को गोली चबाकर पानी के साथ दें।

4

एल्बेंडाजोल देने के साथ-साथ रजिस्टर में रेकार्ड करें।

5

जो बच्चे बिमार हैं या कोई अन्य दवाई ले रहे हैं, उन्हें कृमि नियंत्रण की दवाई ना दें

6

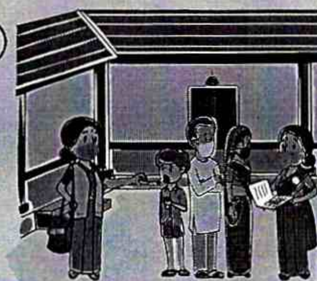

बच्चों को कृमि मुक्ति की दवा (एल्बेंडाजोल) आशा/आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा घर जाकर दी जाएगी। इनका सहयोग करें

कृमि नियंत्रण की दवा खिलाने के साथ–साथ अभिभावक व बच्चों को कृमि संक्रमण की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण व्यवहारों के बारे में बताएं

नाखून साफ और छोटे रखें

हमेशा साफ पानी पियें

खाने को ढक कर रखें

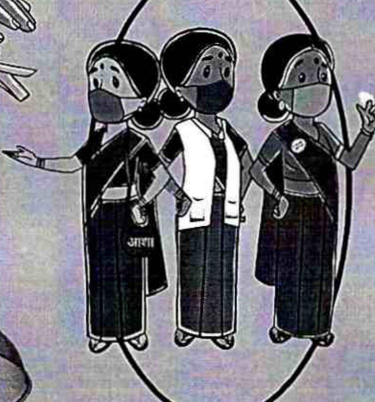

आस पास सफ़ाई रखें

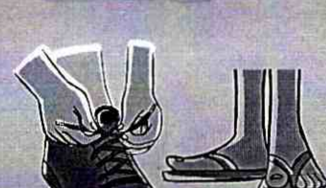

जूते-चप्पल पहनें

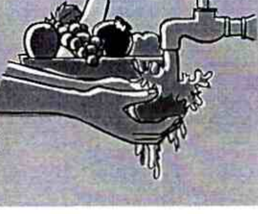

साफ पानी में फल व सब्ज़ियाँ धोएँ

अपने हाथ साबुन से धोएँ, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद

खुले में शौच न करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें

परिवार कल्याण निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

DIRECTORATE OF FAMILY WELFARE
GOVT. OF DELHI

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

ANNEXURE 'B'

कृमि कैसे फैलता है।

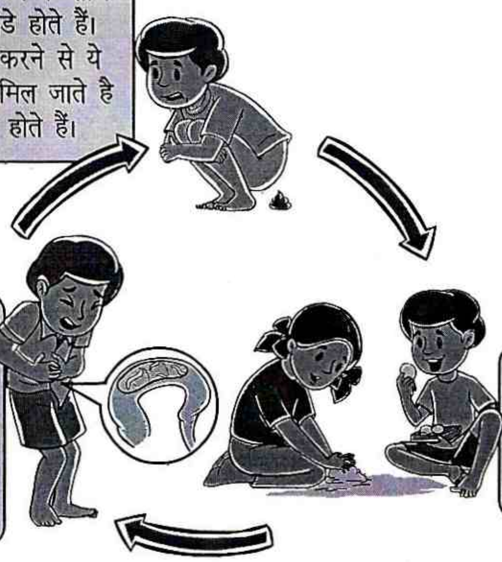

1. संक्रमित बच्चे के शौच में कृमि के अंडे होते हैं। खुले में शौच करने से ये अंडे मिट्टी में मिल जाते है और विकसित होते हैं।

2. अन्य बच्चे नंगे पैर चलने से, गंदे हाथों से खाना खाने से या फिर बिना ढ़का हुआ भोजन खाने से, लार्वा के संपर्क में आने से संक्रमित हो जाते हैं।

3. संक्रमित बच्चों में कृमि के अंडें व लार्वा रहते है और बच्चों के स्वास्थ्य को हानि पहुचाँते है।

कृमि संक्रमण का बच्चों की सेहत पर असर

- कुपोषण
- खून की कमी (एनीमिया)
- भूख न लगना
- पेट में दर्द व सूजन
- उल्टी और दस्त
- मल में खून आना

- कृमि की जितनी अधिक संख्या होगी, संक्रमित बच्चों में लक्षण उतने अधिक होंगे
- हल्के संक्रमण वाले बच्चों में आम तौर पर कोई लक्षण दिखाई नहीं देते

बच्चों में कृमि नियंत्रण के फायदे

- खून की कमी में सुधार
- बेहतर पोषण स्तर
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद
- आंगनवाड़ी और स्कूल में उपस्थिति तथा सीखने की क्षमता में सुधार
- भविष्य में कार्य क्षमता और औसत आय में बढ़ोतरी
- समुदाय में अन्य सदस्यों को भी कृमि नियंत्रण का लाभ मिलता है क्योंकि वातावरण में कृमि की संख्या कम हो जाती है

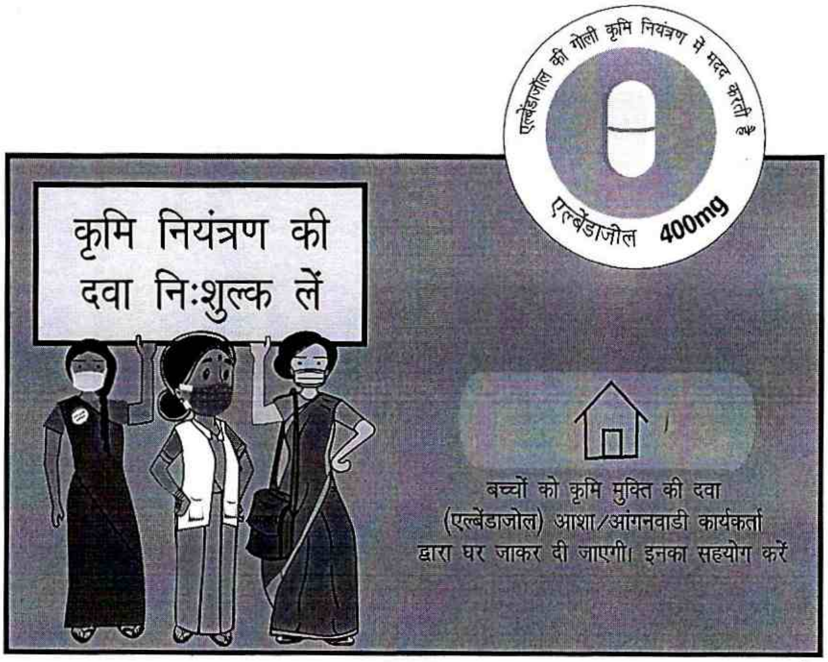

यह दवाई बच्चों और बड़ों के लिए सुरक्षित है

1. जो बच्चे बीमार हैं, या कोई अन्य दवाई ले रहे हैं, उन्हें कृमि नियंत्रण की दवाई नहीं दी जाएगी।
2. ध्यान दें कि बच्चे गोली चबाकर, साफ पानी के साथ लें।
3. जिन बच्चों में अधिक संख्या में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई देने पर पेट में हल्का दर्द, मितली, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। यह मामूली साइड इफेक्ट हैं, जो कुछ समय में ठीक हो जाते हैं और नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर आसानी से संभाले जा सकते हैं।
4. अभिभावक किसी भी आपातकालीन स्थिति में ए.एन.एम./नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें या कैट्स एम्बुलेंस हैल्पलाईन न0. 102 पर फोन करें।

'कृमि मुक्त दिल्ली' के लिए इस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें ।

DIRECTORATE OF FAMILY WELFARE GOVT. OF DELHI

परिवार कल्याण निदेशालय,
राष्टीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन